[Prof Rup Chand Pal]

(viii) Introduction of passenger trains in Naihati-Kakurgaehi-Budge Budge line now used for goods traffic only.

(ix) Early undertaking of the circular railway project at Calcutta.

(x) Another fast train between New Jalpauguri (North Bengal) and Delhi; and rail link between Malda-Balurghat-Hilli.

Besides these demands in respect of Railways, there are other pressing demands also. They are:

(i) Setting up of a (coal based) thermal power plant at Mejhia (Bankura).

(ii) Expeditious steps in respect of Haldia Petro-chemical Project and the ship-building and Ship Repairing Project of Haldia.

(iii) Setting up of a unit of Bharat Electronics Complex Ltd., at Salt Lake City, Calcutta.

(iv) Setting up of coal based chemical industries in Asansol-Ranigunj area.

(v) Special financial assistance from the Centre to speed up industrialisation in industrially backward North Bengal.

(vi) Strict enforcement of the principle of employment through employment-exchanges in Central Government undertakings and establishments with reservation for land-losers, cases of 'dying in harness' Scheduled Castes and Scheduled Tribes people.

(vii) Increased central assistance and allocation for implementation of developmental plans in West Bengal

The above are some of the urgent demands of the people of West Bengal which they have been repeatedly placing before the Central Government for a long time. But unfortunately, nothing has as yet been done. I would urge upon the Central Government to concede the demands with which the afflicted people of West Bengal are marching on foot to draw the attention of the Central Government.

(v) Shifting of regional office of Central Silk Board from Bombay to Bangalore

*SHRIMATI SANYOGITA RANE (Panaji): Sir, I would like to raise the following matter of urgent public importance under Rule 377.

A serious situation has developed because of the Government of India's decision to shift the office of Central Silk Board from Bombay to Bangalore. The work at Bombay office is totally suffering for the last three months due to disputes arising out of the decision of the Government. Most of the staff members of this Board find it inconvenient to go over Bangalore and have made many appeals and demands to persuade the Government from taking such a decision. The Board Employees' Association is also agitated about the matter. Many employees whose wives are employed or children undergoing school education have appealed to the Government to postpone transfer till May this year.

As three-fourth of silk manufactured in the country is exported from Bombay, it is desirable that the regional office of the Board should be situated at Bombay only. The work of the Board has virtually come to a stand-still because of the agitation of employees which is likely to be intensified if the Government does not change its decision. In view of this, I urge upon the Government not to shift the regional office of Central Silk Board from Bombay to Bangalore.

(vi) Need for increased railway services in Aonla Lok Sabha Constituency of Uttar Pradesh

*The original speech was delivered in Marathi.

श्री जयपाल सिंह कश्यप (आंवला) : उपाध्यक्ष महोदय, मेरे लोक सभा क्षेत्र आंवला में रेल यातायात में विशेष सुधार की आवश्यकता है । बरेली से एक पूर्वोत्तर रेल कासगंज की ओर जाती है और एक बरेली से आंवला व चन्दौसी की ओर उत्तर रेलवे जाती है और दूसरी बरेली से शाहजहांपुर की ओर रेलवे लाइन जाती है । बरेली से कासंगज के लिये जो रेल लाइन जाती है, उस पर बहुत सी ट्रेनें समय पर नहीं चलती हैं और उनके समय भी सही रूप से निर्धारित नहीं किये गये हैं ।

बरेली स्टेशन पर रात को लखनऊ मेल, काशी विश्वनाथ, दून एक्सप्रेस व अनेक ट्रेनों से विभिन्न स्थानों से यात्री आते हैं, और जो बदायूं व कासंगज की वोर जाना चाहते हैं, उनके लिये अगले दिन प्रातः 10 बजे तक कोई भी ट्रेन उपलब्ध नहीं होती । ऐसे हजारों यात्री प्रतिदिन परेशान रहते हैं । इसी प्रकार कासगंज से बरेली की ओर जो यात्री चलते हैं, उनको शाम को या रात में कोई ट्रेन उपलब्ध नहीं होती, उनको कासगज में ही पड़े रहना पड़ता है । यह आवश्यक है कि प्रातः 5 या 6 बजे के मध्य एक ट्रेन बरेली से कासगंज को चलाई जाय और इसी प्रकार शाम को 6 बजे एक ट्रेन कासगंज से बरेली को चलाई जाय बरेली से दिल्ली जाने वाले यात्रियों को दिन में कोई ट्रेन उपलब्ध नहीं है । बरेली से एक मेल एक्सप्रेस ट्रेन दिल्ली के लिये वाया रामपुर व एक ट्रेन वाया चन्दौसी चलना आवश्यक है ।

आंवला से जो एक मेल की बोगी आंवला से दिल्ली को जुड़ती थी, उसको भी रेल विभाग ने रद्द कर दिया है । बरेली, बदायूं, कासगंज की ओर से जो यात्री मथुरा होकर दिल्ली, बम्बई, जयपुर आदि स्थानों पर जाना चाहते हैं, उनको भी कोई ट्रेन दिन में उपलब्ध नहीं है । बरेली से दिन में एक मेल या एक्सप्रेस मथुरा जंक्शन को और इसी प्रकार दिन में मथुरा जंक्शन से एक ट्रेन बरेली जंक्शन को चलना आवश्यक है । बदायूं व उसके आस पास के सरकारी कर्मचारी, छात्र और कचहरी जाने वाले लोक व आम जनता को भीड़ के कारण ट्रेनों में स्थान नहीं मिल पाता और उनको दफतर व स्कूल के समय पर ट्रेनें उपलब्ध नहीं हो पाती । इसलिये, बरेली, बदायूं व कासगंज के बीच एक शटल चलने की आवश्यकता है ।

मुझे रेल विभाग का ध्यान विशेष रूप से इस ओर दिलाना है कि बरेली, बदायू कासगंज, भमौरा, मकरन्दपुर, वमयाना, घटपुरी, आंवला आदि स्टेशनों पर टिन शैड व बैठने की बेंचें अच्छे वेटिंग रूम रोशनी व पानी की व्यवस्था नहीं है जिससे यात्रियों को बड़ी परेशानी होती है । जो ट्रेनें चलाई जाती हैं, उनकी खिड़कियां शीशे, चिटखनी, बाथरूम की टोटियां व अच्छे शौचालय उपलब्ध नहीं रहते और अधिकतर सीटों पर रेक्सीन वगैरह भी गायब रहती है ।

इन सारी समस्याओं का समाधान रेल विभाग को अतिशीघ्र करना चाहिये ताकि इस क्षेत्र के लोगों की परेशानियां दूर हो सकें । सरकार को इस पर अविलम्ब कारगर कदम उठाना चाहिये ।

(vii) Problems of Washerman in Delhi.

श्री चन्द्रपाल शैलानी (हाथरस) : उपाध्यक्ष महोदय, मैं राजधानी में धोबियों की समस्याओं तथा दिल्ली प्रशासन द्वारा की जा रही उनकी घोर उपेक्षा की ओर सरकार का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं ।

आजादी के 35 वर्षों के बाद आज तक यहां के धोबियों के लिये कपड़े धोने के लिये स्वच्छ पानी के घाटों तथा अस्थायी अड्डों का निर्माण नहीं किया गया है, इसलिये मजबूर होकर उन्हें ज्यादातर नागरिकों के कपड़े यमुना तथा गंदें नालों के गंदे पानी